A–1043

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL(N)-221

ज्योतिषशास्त्र के मूल सिद्धान्त

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिष शास्त्र का विस्तार पूर्वक परिचय दीजिए।

2. ज्योतिष शास्त्र के उद्‌भव एवं विकास के विषय में लिखिए।

3. भाव से क्या तात्पर्य है व कितने होते हैं सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. शास्त्रीय मत से विवाह कितने प्रकार का होता है ? साथ ही विवाह में मेलापक का क्या महत्व है।

5. मुहूर्त क्या है तथा इसके प्रयोजन के विषय में लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राशियाँ कितनी होती है नाम सहित उल्लेख कीजिए।

2. ग्रह कितने होते हैं वर्णन कीजिए।

3. भावेश किसे कहते हैं उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

4. पञ्चांग परिचय दीजिए।

5. अष्टकूट मिलान किसे कहते हैं। उल्लेख कीजिए।

6. मांगलिक विचार किन-किन भावों से किया जाता है।

7. चंद्रबल का क्या प्रयोजन है।

8. दिशाशूल क्या होता है ? किस दिशा में कौन सा दिशा शूल होता है।

****